केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 189 रविवार 2 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

समाधान दिवस मे चक्कर खाकर गिरा फरियादी मनीराम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हर्रैया तहसील सभागार में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में कमिश्नर आखिलेश सिंह और डीआईजी दिनेश कुमार पी. के सामने फरियादी बुजुर्ग अचानक चक्कर खाकर गिर गया। फरियादी को जमीन पर गिरते ही फरियादियों एवं अधिकारियों में अफरातफरी का माहौल हो गया। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने अपने निजी वाहन से फरियादी को सीएचसी हर्रैया पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद फरियादी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पैकोलिया थानाक्षेत्र के कठौतिरा सावडीह गांव निवासी मनीराम पुत्र सुखराज (70 वर्ष) शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस हर्रैया में तहसील दिवस में पहुंचे। मनीराम सभागार में कतार लगाकर कमिश्नर और डीआईजी के समक्ष अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। मनीराम ने अधिकारियों से कहा कि साहब मुझे बड़ी पीड़ा है, मेरा मामला सुलझ नहीं रहा है। इससे मैं बहुत परेशान हूं। अपनी बात रखने के दौरान मनीराम अधिकारियों के समक्ष चक्कर खाकर अचानक जमीन पर गिर गए और अचेत हो गए। वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने फौरन अपने निजी वाहन से सीएससी हर्रैया भर्ती कराया। हर्रैया सीएससी डॉ. बृजेश शुक्ला ने बताया कि मनीराम की हालत बेहतर नहीं होने की वजह से प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

पैकोलिया थानाक्षेत्र के कठौतिरा सावडीह गांव निवासी मनीराम की जिले से धारा–24 के तहत डिग्री हुई थी। उनकी जमीन की पैमाइश के लिए नवंबर माह में टीम गठित की गई थी। नवंबर में जमीन की पैमाइश करने के लिए टीम गांव गई थी। लेकिन आरोप है कि टीम बिना जमीन की पैमाइश किए ही वापस लौट आई। नवंबर माह से ही मनीराम अपनी जमीन की पैमाइश के लिए अधिकारियों के पास चक्कर लगा रहे थे।

अधिवक्ता हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ वारंट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सीजेएम आशीष कुमार राय की अदालत ने अधिवक्ता चंद्रशेखर यादव की हत्या के तीन फरार आरोपितों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। थानाध्यक्ष हर्रैया ने वारंट के लिए याचना की थी। थानाध्यक्ष हर्रैया/विवेचक तहसीलदार सिंह ने सीजेएम कोर्ट में अर्जी देते हुए कहा कि अधिवक्ता हत्याकांड के आरोपित हर्रैया थानाक्षेत्र के खमरिया गांव निवासी संदीप यादव उर्फ मोनू यादव, अनुराग यादव एवं किशनपुर निवासी आदित्य यादव के विरुद्ध गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

कांग्रेस नेता मुकेश द्विवेदी के निधन पर शोक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। कांग्रेस सेवा दल के जिला सचिव 44 वर्षीय मुकेश द्विवेदी के निधन से शोक की लहर है। कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश सचिव नोमान अहमद ने मुकेश द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि बस्ती के आर्यकन्या विद्यालय के निकट निवासी मुकेश कांग्रेस के निष्ठावान सिपाही थे। पार्टी ने एक समर्पित कार्यकर्ता खो दिया है। उनका अंतिम संस्कार कुंआनो स्थित मूडघाट पर शुक्रवार को किया गया।
कांग्रेस नेता अरूण पाण्डेय, सोनू लाला, उदयराम यादव, बबिता शुक्ल, वरूण पाण्डेय, गौरीशंकर शुक्ल, प्रदीप श्रीवास्तव आदि ने मुकेश द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

बजट: 12 लाख की कमाई पर कोई कर नहीं: बिहार, असम के लिये कई योजनायें: केसीसी की सीमा 3 से बढकर 5 लाख हुई

नई दिल्ली (आभा)। वित्त मंत्री सीतारमण ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश किया। टोटल बजट 50.65 लाख करोड़ का है। बजट में नौकरीपेशा के लिए 12.75 लाख तक की आय टैक्स फ्री कर सरकार ने मध्यम वर्ग को साधा और दिल्ली को भी, जहां 4 दिन बाद 5 फरवरी को वोटिंग है।

इस ऐलान को देश की राजधानी के 67 प्रतिशत मिडिल क्लास से जोड़कर देखा जा रहा है। दिल्ली की आबादी 3 करोड़ 38 लाख है। इनमें से 40 लाख लोग टैक्स भरते हैं। दिल्ली में 1.55 करोड़ कुल वोटर हैं। पिछले साल अक्टूबर में केजरीवाल ने कहा था कि दिल्लीवाले 1.78 लाख करोड़ इनकम टैक्स देते हैं। उधर, मधुबनी साड़ी पहने सीतारमण ने 77 मिनट के भाषण में 9 बार बिहार का जिक्र कर राज्य के लिए मखाना बोर्ड बनाने समेत कई घोषणाएं कीं। राज्य में साल के आखिर में चुनाव होने हैं। बजट में सीतारमण ने इलेक्ट्रिक कार, मोबाइल और स्म्ब सस्ते होने का रास्ता खोला। कैंसर और कुछ जरूरी दवाओं के दाम भी कम होने का ऐलान किया। बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी की स्थापना, प्प पटना का विस्तार, 3 एयरपोर्ट, पश्चिमी कोसी नहर परियोजना का ऐलान किया है।

बिहार में युवा आबादी करीब 50 प्रतिशत है। राज्य में एकमात्र आईआईटी पटना में है। यहां अभी 2883 सीटें हैं, यह बढ़कर 5000 के आसपास हो जाएंगी। बिहार के 10 जिलों में मखाना की खेती होती है।

इससे 25 हजार से ज्यादा किसान जुड़े हैं। मखाने को लेकर कोई तय नीति न होने के चलते मुनाफा बंट जाता है। किसानों के बजाय कारोबारियों की जेब में पैसा जाता है। अब बोर्ड के गठन के बाद 100 रुपए के प्रॉफिट में 90 रुपए बिहार को मिलेगा। ऐसा कहा जा रहा है कि मखाना बोर्ड के गठन और पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के ऐलान से मिथिलांचल और सीमांचल क्षेत्रों की 72 सीटों पर असर पड़ सकता है। राज्य में 243 विधानसभा सीटें हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार रिकॉर्ड आठवीं बार बजट पेश किया.वित्त वर्ष 2025–26 के लिए कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नए कदम सुझाए गए हैं.वहीं मध्यमवर्ग को भी आयकर (इनकम टैक्स) से थोड़ी राहत दी गई है.वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025–26 के बजट में मध्यमवर्ग और किसानों के लिए कई घोषणाएं की हैं.इसके अलावा भारत की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए न्यूक्लियर एनर्जी मिशन लॉन्च करने की बात कही है.बजट भाषण में बिहार और असम राज्य का जिक्र भी कई बार हुआ.बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं. मध्यमवर्ग के लिए व्यावित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि अब लोगों को 12 लाख रुपये तक की कमाई पर कोई इनकम टैक्स नहीं चुकाना होगा.साथ ही वेतन पाने वाले लोगों को 75 हजार की स्टैंडर्ड छूट भी मिलेगी.इसके अलावा इनकम टैक्स से जुड़ा नया कानून जल्दी ही संसद में पेश होगा.सीतारमण के मुताबिक, नए आयकर विधेयक को सरल किया गया है और बहुत से पुराने प्रावधान हटाए गए हैं.उम्मीद की जा रही है कि इस राहत से लोग ज्यादा खर्च करेंगे और अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी.

इसके अलावा किराये से होने वाली आमदनी पर टीडीएस के लिए वार्षिक सीमा 2.40 लाख रुपये से बढ़ाकर छह लाख रुपये की गई है. कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए बजट से एक अच्छी खबर आई.वित्त मंत्री ने कहा है कि 36 लाइफ सेविंग ड्रग्स यानी जीवनरक्षक दवाओं को उस सूची में जोड़ा जाएगा, जिन पर कोई बेसिक कस्टम ड्यूटी नहीं लगेगी.इन महत्वपूर्ण दवाओं पर टैक्स में 5 प्रतिशत की रियायत के साथ ही उन्हें बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर भी पूरी सीमा शुल्क हटाने की बात कही गई है.सीतारमण ने कहा है कि सरकार सभी जिला अस्पतालों में कैंसर डे–केयर सेंटर खोलेगी और 200 ऐसे सेंटर इसी वित्त वर्ष में खोले जाएंगे.भारत में विकास दर चार सालों में सबसे निचले स्तर परशिक्षा क्षेत्र में नए प्रयोगवित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025–26 में 2014 के बाद बने 5 आईआईटी संस्थानों में 6,500 सीटें बढ़ाने और आईआईटी पटना में हॉस्टल समेत बुनियादी ढांचा सुधारने की घोषणा की है.इसके अलावा मेडिकल कॉलेजों में ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर अगले एक साल में 10 हजार सीटें बढ़ाई जाएंगी. वित्त मंत्री ने इसे अगले पांच साल में 75,000 सीटें बढ़ाने के लक्ष्य की ओर एक कदम बढ़ाया है.देश के शीर्ष रिसर्च संस्थानों में शोध के लिए रिसर्चरों को मिलने वाली पीएम रिसर्च फेलोशिप को जारी रखा जाएगा. सीतारमण ने बताया कि अगले 5 वर्षों में 10 हजार पीएम रिसर्च फेलोशिप दी जाएंगी.

शिक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए 500 करोड़ की लागत से एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोला जाएगा.इसके अलावा सरकार ने बच्चों के अंदर जिज्ञासा और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए अगले 5 वर्षों में देश के सरकारी स्कूलों में 50 हजार टिंकरिंग लैब खोलने की घोषणा की है.इसके अलावा भारतनेट प्रोजेक्ट के तहत सभी सरकारी स्कूलों और प्राइमरी हेल्थ सेंटरों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने की घोषणा हुई है.सरकार ने भारतीय भाषा पुस्तक स्कीम की घोषणा भी की है, जिसमें स्कूली और उच्च शिक्षा की किताबें डिजिटल रूप में भारतीय भाषाओं में उपलब्ध करवाई जाएंगी.परमाणु ऊर्जा को महत्वसरकार ने बजट में छोटे परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बढ़ावा देने की घोषणा की है.इसके चलते स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टरों के विकास और शोध के लिए 20,000 करोड़ की लागत का न्यूक्लियर एनर्जी मिशनण लॉन्च किया जाएगा.उन्होंने कहा कि ऊर्जा बदलाव की कोशिशों के मद्देनजर 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करना जरूरी है.वित्त मंत्री के मुताबिक, इस योजना के तहत 5 स्वदेशी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर साल 2033 तक चालू हो जाएंगे.इस परियोजना में सरकार निजी क्षेत्र को सक्रिय भागीदार बनाना चाहती है ।

बेरोजगारों के लिये निराश करने वाला बजट – महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने केन्द्रीय बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिये यह निराश करने वाला बजट है।

सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी की जबरदस्त मार के साथ ही सड़क, पानी, शिक्षा आदि के बुनियादी सवालों पर बजट मौन है। कहा कि अच्छा होता कि बजट के दौरान सरकार महाकुंभ में मगदड़ से हुई मौतों पर चर्चा के साथ ही मृतकों के वास्तविक आंकड़े बताकर उन्हें श्रद्धा सुमन भी अर्पित किया जाता किन्तु ऐसा नहीं किया गया। जो सरकार कुंभ में मगदड़ से मृतक लोगों की संख्या

नहीं बता पा रही है उसके आंकड़ो पर जनता कितना यकीन करे। कहा कि टैक्स स्लेब में नौकरी पेशा लोगों को करो में कुछ राहत दिया गया है किन्तु जिनके पास नौकरियां ही नहीं है वे क्या करें। बजट को चुनावी बताते हुये सपा नेता महेन्द्रनाथ ने कहा कि इस बजट से युवाओं, बेरोजगारों को घोर निराशा हुई है।

मकान निर्माण रोकने का आरोपः लगाया न्याय की गुहार

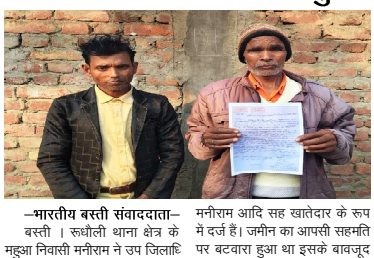

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । रूधौली थाना क्षेत्र के महुआ निवासी मनीराम ने उप जिलाधिकारी रूधौली के साथ ही जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त के साथ ही अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर मकान निर्माण कराये जाने की मांग किया है। पत्र में मनीराम ने कहा है कि अपनी जमीन पर मकान निर्माण करवा रहा है । गाटा संख्या 42 में रामनरायन, बुझारत, हरीराम, मनीराम आदि सह खातेदार के रूप में दर्ज हैं। जमीन का आपसी सहमति पर बटवारा हुआ था इसके बावजूद रामनरायन, बुझारत पुत्रगण मंहगू निर्माण कार्य में बाधा पैदा कर रहे हैं। मजबूरन मनीराम का परिवार झोपड़ी में रह रहा है और मकान का निर्माण रूका हुआ है। उसने मांग किया है कि उसे मकान बनवाने दिया जाय और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय।

पंचायत सहायकों ने मानदेय, स्थायीकरण को लेकर मुख्यमंत्री को भेजा मांग पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
कुदरहा, (बस्ती)। खण्ड विकास कार्यालय पर शनिवार को पंचायत सहायक यूनियन के ब्लाक अध्यक्ष के नेतृत्व में ब्लाक के ग्राम पंचायत सहायको ने मानदेय बढोत्तरी व स्थायीकरण को ले कर पोस्ट रजिस्ट्री अभियान के तहत मुख्यमंत्री समेत नौ लोगो को चार सूत्री मांग पत्र भेजा। जिसमे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अखिलेश यादव को पंचायत सहायको की समस्याओं को विधान सभा में उठाने का अनुरोध किया।

पंचायत सहायक यूनियन के ब्लाक अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी के साथ दो दर्जन पंचायत सहायकों ने चार सूत्री मांग पत्र मुख्यमंत्री समेत सम्बंधित को रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा।

ब्लाक अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी ने कहा कि पंचायत सहायक ग्राम सचिवालय का संचालन कर रहे हैं। नौकरी नौकरी पूर्णकालिक है इसके चलते नवयुवक पंचायत सहायकों की पढ़ाई बाधित हो रही है। ग्राम पंचायत द्वारा 6000 रूपया प्रति माह मानदेय दिया जा रहा है जो एक परिवार के भरण पोषण में काफी कम है।

मौके पर संदीप कुमार यादव, राजन पटेल, अलका सिंह, रेखा, रीमा, मीना, पूजा, करुणा, अनिल कुमार, पूजा मिश्रा, रूमा सिंह, ज्ञानमती, विवेक पाल, विजयदीप कुमार, उमेश चंद्र यादव, सुमन, ममता, खुशबू, उदय प्रताप पांडेय, मुकेश, दुर्गा प्रसाद, सीमा, विजय कुमार सहित तमाम पंचायत सहायक मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिले की कोतवाली पुलिस व स्वाट टीम की संयुक्त कारवाई में गोलीकांड के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मूडघाट के पास शनिवार को हुई घेराबंदी में आरोपितों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कारवाई में आरोपी मोहम्मद शमीम उर्फ गुड्डू निवासी ग्राम डोढ़ाऊपुर थाना नगर जनपद बस्ती के पैर में गोली लगी। टीम ने मौके से आरोपी आदित्य चौधरी निवासी कमठाइयां थाना नगर को घटना में प्रयुक्त अवैध कट्टा व मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। घटना में आरोपी अजीत यादव निवासी अवस्थीपुर सुदामागंज थाना कप्तानगंज को भी पकड़ लिया गया है। शहर के बड़ेवन मोहल्ले में बाइक सवार दो बदमाशों ने बड़ेवन निवासी शहवाग गौतम पुत्र रामलाल (26) को शुक्रवार को दिनदहाड़े गोली मार दी थी। गोली युवक के सीने में दाहिनी तरफ लगी है। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भर्ती कराया। जिला अस्पताल से घायल को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की थी।

महिला को निर्वस्त्र कर अपमानित करने के विरोध में कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की महासचिव एवं महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष मंजू पाण्डेय ने महिलाओं के उत्पीड़न, उन्हें नंगा घुमाकर अपमानित किये जाने के मामले को लेकर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने कहा है कि गुजरात राज्य के दाहोद जिले में एक आदिवासी महिला को शक के आधार पर कुछ शरारती तत्वों के द्वारा निर्वस्त्र कर पूरे गांव में नंगा घुमा कर उसे मारा पीटते हुये मोटर साईकिल में बांधकर घसीटा गया। सोशल मीडिया पर इसकी वीडीओ वायरल हुआ। यह घटना शर्मनाक है। मंजू पाण्डेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेता, पदाधिकारी बार–बार गुजरात माडल का हवाला देते हैं, क्या यही गुजरात माडल है जहां आदिवासी महिला के साथ बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी गई। मंजू पाण्डेय ने राष्ट्रपति से मांग किया है कि समूचे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर पीड़ित महिला को एक करोड़ रूपये का मुआवजा देने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

समस्याओं का मौके पर निस्तारण करें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जनता की समस्याओं का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण संभव हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी रवींश गुप्ता की अध्यक्षता में भानपुर तहसील के सभागार में किया गया। जिलाधिकारी ने समस्याओं को बहुत ही गंभीरता के साथ सुनने के उपरांत मौके पर ही उनका निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी फरियादी समस्या के समाधान के उद्देश्य से ही सरकारी कार्यालयों में आता है, इसलिए जनता की समस्या का समाधान करना हम सबके लिए सर्वोपरि है।

जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि भूमि विवाद सम्बंधित जन शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए कि शासन द्वारा संचालित समस्त जन–कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनपद के हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। संबंधित विभाग के अधिकारी सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कराएं, जिससे कि आम आदमी भी योजना से सीधे जुड़ सके और लाभान्वित हो सकें।

जिलाधिकारी ने कहा जिन शिकायतों का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका है, संबंधित विभाग के अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर शिकायतों का गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जन–शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण में समय व गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 45 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इसमें राजस्व विभाग से सम्बन्धित 21 प्रार्थना पत्र, पुलिस विभाग से 05 प्रार्थना पत्र, विद्युत विभाग से 10 प्रार्थना पत्र, विकास व पूर्ति विभाग से 3–3 प्रार्थना पत्र, नगरपंचायत से 02 प्रार्थना पत्र तथा शिक्षा विभाग से 01 प्रार्थना पत्र हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन, डीडीओ अजय कुमार, परियोजना निदेशक राजेश कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, डीपीआरओ रतन कुमार, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, जिला कृषि अधिकारी बी.आर. मौर्या, डीएचओ अरुण मिश्रा, बीएसए अनूप तिवारी, सीवीओ राजेश त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नहीं सुलझा बाबा साहब प्रतिमा स्थापित करने का मामलाः भारत मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । शनिवार को भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में कलवारी थाना क्षेत्र के देवरिया के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा डीएम को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि देवरिया गांव में बाबा साहब की प्रतिमा को जबरिया पुलिस द्वारा उठा ले जाने के मामले में दोषी चौकी इन्चार्ज के विरुद्ध कार्रवाई करने के साथ ही प्रतिमा को स्थापित कराया जाय।

देवरिया निवासी समाजसेवी रामकेश भारती ने बताया कि बाबा साहब की प्रतिमा को जबरिया पुलिस द्वारा उठा ले जाने के मामले में ग्रामीणों ने शास्त्री चौक पर धरना दिया था। उस समय आश्वासन दिया गया था कि एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान कराया दिया जायेगा किन्तु स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। कहा कि बाबा साहब की प्रतिमा को स्थापित करवाने के साथ ही विवादित चारागाह की जमीन पर से नाजायज कब्जा हटवाया जाय और दोषी चौकी इन्चार्ज के विरुद्ध कार्रवाई की जाय। भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि यदि प्रकरण का समाधान कर ग्रामीणों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेकर न्याय न दिलाया गया तो मोर्चा पुनः धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन को बाध्य होगा।

डीएम को ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्ध प्रिये पासवान के साथ ही रामकेश भारती, अंजू, रत्ना देवी, चन्द्रावती देवी, गीता देवी, रामचंद्र विजय, विनोद कुमार, राम पूजन, मेवा लाल ,दीपक, हरिभजन राव, कांता प्रसाद, अमरजीत आर्य, कृपा शंकर चौधरी, सुरेश आजाद, सुभावती, राम रति, मदन लाल, गुलजार, बागवान, बुद्धिराम, राम सुमेर यादव, मेवालाल, राम पूजन आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 2 फरवरी 2025 रविवार

सम्पादकीय

बजट और क्रियान्वयन की चुनौती

बजट केन्द्र का हो या राज्य सरकारों का प्रायः देखा गया है कि सत्ता पक्ष जहां उसे ऐतिहासिक बताता है वहीं विपक्ष निराशाजनक। अच्छा हो कि बजट प्रस्तुत करते समय देश की जनता को यह भी जानकारी दी जाय कि पूर्व के बजट में जो नियम बनाये गये थे उसका कितना क्रियान्वयन हुआ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2025–26 में बजट अनुमान 50,65,345 करोड़ रुपये है, जिसमें कुल पूंजीगत व्यय 11,21,090 करोड़ रुपये है। इसमें राज्यों को 25,01,284 करोड़ रुपये मिलेंगे। सरकार ने बताया कि बजट में कुल राजस्व प्राप्ति 34,20,409 करोड़ रुपये है। वहीं पूंजीगत प्राप्तियां 16,44,936 करोड़ रुपये हैं। सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों के लिए भी बजट तय किया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को संसद में केंद्रीय बजट पेश किया। विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने और साथ ही उद्यमिता और रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए कई घोषणाएँ की गईं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई कर व्यवस्था में कर छूट के साथ आयकर स्लैब में बदलावों की शनिवार को घोषणा की। सीतारमण ने शनिवार को घोषणा किया कि सरकार पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में अतिरिक्त बुनियादी ढांचा का निर्माण करेगी और बिहार की राजधानी पटना स्थित आईआईटी का विस्तार करेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उम्मीदों के अनुरूप मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को पूरी तरह से कर मुक्त किये जाने की घोषणा की। यह छूट नई आयकर व्यवस्था में दी गयी है। मानक कटौती 75,000 रुपये के साथ नौकरीपेशा लोगों को अब 12.75 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं देना होगा।

वित्त मंत्री ने घोषणा किया कि सरकार अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में 'डे केयर' कैंसर केंद्रों की स्थापना की सुविधा प्रदान करेगी और इनमें से 200 इसी वित्त वर्ष 2025–26 में स्थापित किए जाएंगे। सीतारमण ने 2025–26 का आम बजट पेश करते हुए कहा कि 'गिग वर्कर्स' को पीएम जन आरोग्य योजना (पीएम–जेएवाई) के तहत स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। कैंसर की दवाएं भी सस्ती होंगी। उन्होने 'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना' की घोषणा की। इसके तहत कम पैदावार, आधुनिक फसल गहनता और औसत से कम ऋण मानदंडों वाले 100 जिलों को शामिल किया जाएगा। वित्त मंत्री ने अपना लगातार आठवां बजट पेश करते हुए कहा कि इस योजना से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं, महिलाओं और किसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रामीण समृद्धि व लचीला कार्यक्रम शुरू करेगी। कहा कि सरकार अगले 10 साल में चार करोड़ अतिरिक्त यात्रियों की मदद के लिए 120 गंतव्यों को जोड़ने के लिए संशोधित उड़े देश का आम नागरिक 'उड़ान' योजना शुरू करेगी। शनिवार को संसद में आम बजट 2025–26 पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि सरकार बिहार की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्य में नए हवाई अड्डों की सुविधा भी प्रदान करेगी। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लिए ब्याज सहायता योजना की सीमा तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने की घोषणा की गई। सीतारमण ने कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए ऋण गारंटी कवर बढ़ाएगी ताकि उनकी कर्ज तक पहुंच में सुधार हो सके। इसके अलावा, सरकार सूक्ष्म उद्यमों के लिए पांच लाख रुपये की सीमा वाले 'कस्टमाइज्ड' क्रेडिट कार्ड पेश करेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को किसी भी आकलन वर्ष के लिए अद्यतन आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की समयसीमा बढ़ाने की घोषणा की। आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा को मौजूदा दो साल से बढ़ाकर चार साल करने का प्रस्ताव वित्त वर्ष 2025–26 के बजट में रखा गया है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को ब्याज से हुई आय पर कर कटौती की सीमा दोगुनी करके एक लाख रुपये करने की घोषणा भी बजट में की गई। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार की योजना भारतीय डाक विभाग को 1.5 लाख ग्रामीण डाकघरों के साथ एक बड़े लॉजिस्टिक्स संगठन में बदलने की है। मंत्री ने लगातार अपना आठवां बजट पेश करते हुए कहा कि भारतीय डाक को 1.5 लाख ग्रामीण डाकघरों के साथ एक बड़े सार्वजनिक लॉजिस्टिक संगठन में तब्दील किया जाएगा, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए उत्प्रेरक बनेगा। इसके अलावा, वित्त मंत्री ने निवेश और कारोबार की सीमा बढ़ाने की बात कही। सीतारमण ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के साथ एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम) की हमारे निर्यात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है।रुकी हुई आवास परियोजनाओं में एक लाख इकाइयों को पूरा करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये के नए 'स्वामी' कोष की घोषणा की। इस योजना का उद्देश्य उन घर खरीदारों को राहत देना है, जिनके निवेश अटके हुए हैं। बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की घोषणा की। यह बोर्ड मखाना किसानों को केंद्र की विभिन्न योजनाओं से लाभ दिलाने में मदद करेगा। सीतारमण ने घोषणा की कि नागरिक उड्डयन प्रोत्साहन के हिस्से के रूप में बिहार को ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे भी मिलने वाले हैं। उन्होंने मिथिलांचल क्षेत्र में एक नहर परियोजना की भी घोषणा की। शिक्षा क्षेत्र में वित्त मंत्री ने कहा कि पटना में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की क्षमता बढ़ाई जाएगी। सरकार राज्यों के साथ मिलकर शीर्ष 50 पर्यटन स्थलों का विकास करेगी और 'होमस्टे' (ठहरने के लिए घर जैसा स्थान) के लिए मुद्रा ऋण भी उपलब्ध कराएगी। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत सीतारमण ने कहा कि निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा और सरकार उन स्थानों पर विशेष ध्यान देगी जो भगवान बुद्ध से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं, उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े हैं। सरकार पहली बार उद्यम शुरू करने वाली पांच लाख महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों के लिए दो करोड़ रुपये का ऋण शुरू करेगी। वित्त मंत्री ने 2025–26 के लिए केंद्रीय बजट पेश करते हुए यह भी कहा कि एसएमई और बड़े उद्योगों के लिए एक विनिर्माण मिशन स्थापित किया जाएगा। अच्छा हो कि बजट में जिनका जिक्र किया गया है वह धरतल पर उतरे, यह बड़ी चुनौती है।

महाकुंभ कुप्रबंधन, मौतों से सबक ले सरकार

—के.पी. सिंह—

प्रयागराज महाकुम्भ में भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना चिन्ता का विषय है। 'मौनी अमावस्या' के अवसर पर संगम क्षेत्र में अमृत–स्नान करने के लिए आठ करोड़ से अधिक श्रद्धालु एकत्रित हुए। लोगों की आस्था और विश्वास की डोर इतनी मजबूत है कि हर कोई 144 वर्षों के बाद आए इस ऐतिहासिक क्षण पर संगम में पवित्र डुबकी लगाना चाहता था। यह दुर्घटना अखाड़ों के अमृत स्नान से पहले सुबह लगभग 1 बजे हुई, जब कुछ तीर्थयात्री पारम्परिक अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के मार्ग को चिह्नित करने वाली रुकावटों को पार करने का प्रयास करने लग गए थे। यह संतोष की बात है कि पुलिस हरकत में आई और तुरन्त सामान्य स्थिति बहाल कर दी गई।

धार्मिक समागमों के दौरान भगदड़ हो जाना एक सामान्य बात हो गई है। प्रशासक शुरुआती झटकों के बाद इन्हें भूल जाते हैं। जनवरी, 2025 में आंध्र प्रदेश के एक प्रमुख मंदिर में मुफ्त दर्शन पास पाने की कोशिश में मची भगदड़ में 6 भक्तों की मौत हो गई। अपने धार्मिक गुरु की करीब से झलक पाने की चाहत में उ.प्र. के हाथरस में 121 लोगों की जान चली गई थी। नवम्बर, 2023 में नवरात्रि समारोह के दौरान मध्य प्रदेश के रतनगढ़ मन्दिर में भगदड़ में 115 तीर्थयात्रियों ने जान गंवाई थी। फरवरी, 2013 में उ.प्र. के कुम्भ मेले में एक और भगदड़ हुई थी, जिसमें 36 भक्तों की जान गई। उ.प्र. में एक मन्दिर में मुफ्त भोजन और कपड़े पाने के लिए धक्का–मुक्की में 63 लोग कुप्रबंधन के कारण मारे गए थे। सितम्बर, 2008 में हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मन्दिर में भू–स्खलन की अफवाह के चलते मची भगदड़ में 145 श्रद्धालु मारे गए थे। जनवरी, 2005 में महाराष्ट्र के मंदारदेवी मन्दिर में फिसलन भरी सीढ़ियों के कारण 265 लोगों की मृत्यु हुई थी। ऐसी सूची अंतहीन है।

ऐसी मानवीय त्रासदियों की पुनरावृत्ति दर्शाती है कि व्यवस्था भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त सबक नहीं सीखती है। फिर भी तथ्य है कि भीड़ में भगदड़ के मूल में कहीं न कहीं लोगों में व्याप्त अनुशासनहीनता ही होती है। व्यवस्था का कुप्रबंधन त्रासदी को और बढ़ा देता है। विडंबना यही है कि न तो भीड़ अनुशासन का पाठ सीखती है और न ही व्यवस्था पिछली घटनाओं से पर्याप्त सबक लेती है।

आयोजन से पहले भीड़ का आकलन और पूरे महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं के दैनिक आगमन की निगरानी महत्वपूर्ण है। संगम क्षेत्र में तीर्थयात्रियों के प्रवेश को उनके लिए उपलब्ध वास्तविक स्थान को ध्यान में रखते हुए विनियमित किया जाना चाहिए था। श्रद्धालुओं की संख्या में चमत्कारी आंकड़े के लोभ में व्यवस्था ऐसा करने में चूकी। सभी राज्यों की पुलिस एजेंसियों के साथ समन्वय करके एक तंत्र होना चाहिए था, जिससे प्रतिदिन श्रद्धालुओं के आवागमन की संख्या का पूर्वानुमान लग सके। त्रासदी के बाद प्रयागराज में लोगों को ले जाने वाली रेलों और बसों की आवाजाही पर लगाए गए प्रतिबंधों को यदि भीड़ के पूरी क्षमता तक पहुंचने से बहुत पहले ही लगा दिया जाता तो दुर्घटना से बचा जा सकता था। कई श्रद्धालु सबसे पहले स्नान करने की चाह में और कई अन्य पवित्र स्नान करने के बाद भी क्षेत्र में जमे रहे। कुछ लोग तो कई दिनों तक संगम की रेती पर बैठे रहे, जिससे अधिक भीड़भाड़ हो गई। जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को संगम क्षेत्र में प्रवास को सीमित करने और स्थान खाली करने के लिए परामर्श प्रसारित कर इसे रोका जा सकता था। यह सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षा बल की तैनाती होनी चाहिए थी कि संगम क्षेत्र में घूमने–स्नान करने वाले क्षेत्रों में भीड़भाड़ न हो।

सभी प्रवेश बिंदुओं पर अस्थाई रूप से भीड़ को रोकने तथा स्नान–घाटों पर उपलब्ध स्थान के अनुसार उन्हें समूहों में छोड़ने के लिए 'होल्डिंग एरिया' की योजना बनाना हमेशा उचित होता है। इस प्रकार के 'होल्डिंग एरिया' मुख्य आयोजन–स्थल से काफी दूर हों। संगम क्षेत्र से तीर्थयात्रियों के शीघ्र निकास के लिए जलमार्ग की योजना भी बनाई जा सकती थी। यातायात–जाम से बचने के लिए प्रवेश तथा निकास मार्ग अलग–अलग होने चाहिए। बेहतर होता यदि स्नान के लिए क्षेत्रवार दिन तय करके लोगों को सूचित कर दिया जाता। स्नान क्षेत्र की लम्बाई–चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है। अन्यथा भी, भगदड़ के बाद, प्रयागराज क्षेत्र में, जहां भी अवसर मिले, पवित्र गंगा में डुबकी लगाने की सलाह देकर ऐसा किया गया। पुलिस जनों की शिफ्टवार ड्यूटी सुनिश्चित कर उन्हें उचित आराम करने का मौका देना जरूरी है। कहा गया है कि जब रात में दुर्घटना हुई तो पर्याप्त पुलिस–बल न था, शायद पुलिस लम्बी ड्यूटी के लिए तैयारी कर रही थी।

जब किसी खास दिन इतनी बड़ी भीड़ होती है, तो अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिए विशेष मार्ग बनाना और उसकी सुरक्षा करना बहुत मुश्किल होता है। अति विशिष्ट व्यक्तियों के दौरे की योजना ऐसे दिन बनाना उचित है, जब तुलनात्मक रूप से कम श्रद्धालु हों। अखाड़ों के अमृत स्नान के लिए उपयुक्त क्षेत्र और समय पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। खराब गुणवत्ता वाली बैरिकेडिंग की तुलना में कोई बैरिकेडिंग न होना बेहतर होता है, क्योंकि इससे सुरक्षा का छद्म आभास होता है।

महाकुम्भ में भगदड़ राज्य एजेंसियों को एक और चेतावनी है कि उन्हें अपनी पिछली गलतियों से सबक लेना चाहिए और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने कामकाज में सुधार करना चाहिए। कुप्रबंधन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया ही जाना चाहिए।–लेखक हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक हैं।

पाठ्यक्रमों के नाम पर राजनीति

– योगेन्द्र योगी–

देश के नेताओं ने सत्ता पाने के लिए शिक्षा को भी राजनीतिक हथियार बनाया है। सत्ता बदलते ही नेता अपनी विचाराधारा के हिसाब से स्कूल–कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में बदलाव करके वोट बैंक को पक्का करने की जुगत में लगे रहते हैं। विद्यार्थी इन सब के बीच फुटबाल बने रहते हैं। उन्हें वही पढना होता है जोकि सरकारें उन्हें पाठ्यक्रमों के जरिए पढ़ाती हैं। बेशत तथ्य तोड़मरोड़ कर ही क्यों न पेश किए जाएं। हालात यह है कि सत्ता में बदलाव के साथ पाठ्यक्रम भी बदलते रहते हैं। देश में शिक्षा में इस तरह के बदलाव पर लंबे अर्से से बहस छिड़ी हुई है। राजनीतिक दल बदलाव को लेकर एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाते रहते हैं।

इसी कड़ी में नया विवाद कर्नाटक में हुआ है। कर्नाटक यूनिवर्सिटी की किताब के सेलेबस को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि इसमें गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया। कर्नाटक विश्वविद्यालय के अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के पहले सेमेस्टर की किताब में ऐसा कंटेंट लिखा गया है, जिससे भारत की एकता बाधित होती है। कथित तौर पर सेलेबस में संघ परिवार, राम मंदिर के निर्माण और भारत माता आदि की आलोचना की गई थी और कुछ गलत शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सेलेबस में आरएसएस की आलोचना करने के लिए बार–बार ष्संघ परिवारष जैसे शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इससे पहले जब कर्नाटक में भाजपा की सरकार थी तब पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर इसी तरह के आरोप लगाए गए थे।

कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने पर आरोप लगाए थे कि पूर्ववर्ती सिद्दारमैया सरकार ने महज अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण और कम्युनिस्ट विचारध ारा थोंपने के लिए किताबों में विभिन्न बदलाव किए थे। इस दावे की पुष्टि करते हुए सरकार ने कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए संशोधनों को दिखाने के लिए 200 पृष्ठों की किताब भी जारी की थी, जिसमें पाठ्यपुस्तकों में हिंदू देवताओं और ऐतिहासिक आंकड़ों को गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा का आरोप था कि विजयनगर के शासकों, मैसूर राजाओं वडियारों, राष्ट्र कवियों कुवेम्पु, बेंगलुरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा और सर एम विश्वेश्वरैया पर अध्यायों को या तो हटा दिया गया या उन पर सामग्री कम कर दी गयी। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने टीपू सुल्तान, मोहम्मद गजनी, हैदर अली और मुगलों का बखान किया। सत्ता में आने पर भाजपा ने टीपू, हैदर अली, गजनी और मुगलों पर अध्यायों को अब हटा दिया और स्वतंत्रता सेनानियों तथा मराठा शासक शिवाजी और केम्पेगौड़ा जैसी ऐतिहासिक शख्सियतों को पाठ्यपुस्तकों में प्रमुखता दी गई।

राजनीतिक नजरिए से पाठ्यक्रमों में राज्य ही नहीं केंद्र में जो भी सरकार सत्ता में रही उसने अपनी दलीलों के साथ बदलाव किए हैं। यह सब किया जाता है देशहित और संस्कृति–सभ्यता के इतिहास को बचाने के नाम पर। वर्ष 2019 में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 12वीं के राजनीति विज्ञान पाठ्यपुस्तक में गुजरात दंगों के बारे में अध्याय जोड़ दिया गया। इस अनुच्छेद में दो परिवर्तन किये गये। अनुच्छेद में शामिल शीर्षक मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगे को बदलकर गुजरात दंगे कर दिया गया। इसी अनुच्छेद के पहले वाक्य से मुस्लिम शब्द भी हटा दिया गया। अनुच्छेद के शीर्षक के अलावा अनुच्छेद के अन्दर के पाठ को नहीं छुआ गया। गुजरात में भाजपा शासन के दौरान 2002 में हुए मुस्लिम विरोधी गुजरात दंगों का संदर्भ पाठ्यपुस्तकों से हटा दिया गया है, जबकि कांग्रेस शासन के दौरान हुए सिख विरोधी दंगों को बरकरार रखा गया।

वर्ष 2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरी बार है जब सरकार ने पाठ्यपुस्तक संशोधन की कवायद की। इससे पहले 2017 और 2019 में पाठ्यपुस्तकों में संशोधन किया गया था। हटाए गए खंडों में मुगलों पर एक पूरा अध्याय शामिल है, जो एक मुस्लिम राजवंश था, जिसने भारत पर 200 वर्षों तक शासन किया और भारत के संस्थापक पिता मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा हिंदू–मुस्लिम एकता की खोज की चर्चा से संबंधित पाठ को हटाया गया। गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की ब्राह्मण उत्पत्ति और भाजपा के वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगाए गए संक्षिप्त प्रतिबंधों को सुविधाजनक रूप से हटा दिया गया, जैसा कि 2002 के गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों को भी हटाया गया। वर्ष 2022 में एनसीईआरटी ने स्कूलों की किताबों में बदलाव किये। इनमें प्राचीन और मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक के बारे में अभी तक पढ़ाए जाने वाले कई तथ्यों को हटा दिया गया। मम्लूक, तुगलक, खिलजी, लोधी और मुगल साम्राज्य समेत सभी मुस्लिम साम्राज्यों के बारे में जानकारी देने वाले कई पन्नों को हटाया गया। जाति व्यवस्था से भी जुड़ी काफी जानकारी को हटा दिया गया, जैसे वर्ण प्रथा वंशानुगत होती है, एक श्रेणी के लोगों को अछूत बताना, वर्ण प्रथा के खिलाफ विरोध, 2002 के गुजरात दंगे, आपातकाल, नर्मदा बचाओ आंदोलन जैसे जन आंदोलनों आदि जैसी आधुनिक भारत की कई महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानकारी को भी हटा दिया गया। पाठ्यपुस्तकों से विवादास्पद हटाए गए तथ्यों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा था कि भाजपा–आरएसएस पाठ्यपुस्तक की सामग्री बदल सकते हैं, लेकिन ष्वे इतिहास को नहीं मिटा सकते।

भाजपा सरकार द्वारा ष्पाठ्यपुस्तकों के भगवाकरणष की व्याख्या करते हुए, केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि संघ परिवार इतिहास के निरंतर भय में रहता है क्योंकि यह उनके असली चेहरे को उजागर करता है। वे इतिहास को फिर से लिखने और उसे झूठ से ढकने का सहारा लेते हैं। संघ परिवार में आरएसएस और भाजपा सहित उसके संबद्ध संगठन शामिल हैं। रोमिला थापर और जयति घोष जैसे प्रख्यात शिक्षाविदों, जिन्होंने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के पिछले संस्करण लिखे हैं, ने एक सार्वजनिक बयान जारी कर हटाए गए शब्दों को वापस लेने की मांग की थी।

इन बदलावों को विभाजनकारी उद्देश्यों से प्रेरित बताते हुए बयान में कहा गया कि किताबें लिखने वालों से सलाह लेने का कोई प्रयास नहीं किया गया। यह एक ऐसा निर्णय है जो भारतीय उपमहाद्वीप के संवैधानिक लोकाचार और समग्र संस्कृति के खिलाफ है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए इतिहास के पाठ्यक्रम में अहम बदलाव किए। ये बदलाव सिंधु घाटी सभ्यता के उदय और पतन को लेकर हैं। ये बदलाव हरियाणा के राखीगढ़ी में स्थित सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल से प्राप्त प्राचीन डीएनए के अध्ययन के आधार पर किए गए। इस अध्ययन से माना जाता रहा कि आर्यों के आगमन का सिद्धांत गलत साबित होता है। सरकारों का जोर ज्यादातर राजनीतिक विज्ञान, समाज विज्ञान और हिन्दी की पुस्तकों पर सुविधा के हिसाब से बदलाव पर जो रहा है। यह सिलसिला थमने वाला नहीं है। जो भी दल भविष्य में सत्ता में आएगा, पाठ्यक्रमों में फिर वही बदलाव का सिलसिला जारी रहेगा। इससे और कुछ हो न हो पर विद्यार्थी दिग्भ्रमित जरूर होते हैं। इसलिए बेहतर है कि पाठ्यक्रमों में बदलाव के लिए देश के पुराविदें, शिक्षाविदें के साथ न्यायविदें को भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि चुनावी गणित के हिसाब से ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ का सिलसिला बंद हो सके।

शिक्षा का महापर्व बसंत पंचमी

– ललित गर्ग–

बसंत पंचमी या श्री पंचमी हिन्दुओं का प्रमुख सांस्कृतिक एवं धार्मिक त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के सौंदर्य, नई शुरुआत, और सकारात्मकता का उत्सव भी है। इस दिन देवी सरस्वती की पूजा से मन में शांति और ज्ञान का संचार होता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में शिक्षा, कला, सौन्दर्य और प्रकृति का सम्मान करना कितना महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है। प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह ऋतुओं में बांटा जाता था उनमें बसंत लोगों का सबसे मोहक, मनोरम एवं मनचाहा मौसम था। बसंत पंचमी मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, संगीत की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा एवं सौन्दर्यमय त्योहार है, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। माता सरस्वती को ज्ञान–विज्ञान, सूर–संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ–साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है, मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। बसंत पंचमी के 40 दिन बाद होली का पर्व मनाया जाता है, इसलिए बसंत पंचमी से होली के त्योहार की शुरुआत मानी जाती है।

मान्यता है कि बसंत पंचमी को देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। इसी दिन वह हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुई थीं। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव–जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। ध र्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए।

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए। मां सरस्वती को पीले रंग प्रिय है, मान्यतानुसार पीला रंग सुख–समृद्धि और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। पीला रंग बसंत पंचमी का मुख्य प्रतीक है। पीले रंग को सरस्वती मां का प्रिय रंग भी कहा जाता है। पीले फूलों को मां पर अर्पित किया जाता है, पीले रंग की साज–सज्जा की जाती है और पीले रंग के चावल माता को भोग में चढ़ाने शुभ माने जाते हैं।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरुआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति–पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक ध ारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

बसंत पंचमी के साथ, बसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरुआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माध ुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मध ुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है, यही इसका अलौकिक सौन्दर्य है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी, वीणा और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणावादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंध ाकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

जालसाज निकला पंचायत सहायक, असली आईडी हैक कर बना रहा था फर्जी आधार

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर जब्दी का पंचायत सहायक जालसाज निकला। जो दो अन्य लोगों के साथ मिलकर ग्राम सचिवालय में न सिर्फ फर्जी आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र बना रहा था बल्कि पश्चिम बंगाल निवासी एक युवक से संपर्क कर आधार की आईडी हैक कर आधार भी बना रहा था। इसका खुलासा करते हुए एसओजी, पुलिस व एसएसबी की टीम ने मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिनके कब्जे से आधार आदि बनाने का उपकरण भी बरामद किया।

एसपी घनश्याम चौरसिया के अनुसार रामपुर जब्दी निवासी अहसान उल्लाह पुत्र इनामुल्लाह पंचायत सहायक है जिसने कुछ समय पूर्व फेसबुक के माध्यम से पश्चिम बंगाल निवासी संजीव कुमार से संपर्क किया जिसने उसे आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र व असली आधार कार्ड बनाने के लिए आईडी दिया।

इसके बदले में एहसान उल्ला ने संजीव कुमार को 45 हजार रुपये भी दिए। इसके बाद पंचायत सहायक ने गांव के ही अरविंद यादव पुत्र सालिगराम यादव के साथ मिल कर फर्जी तरीके से आय, जाति निवास प्रमाण पत्र व कूटरचित तरीके से आधार कार्ड बनाना शुरू किया। इस काम के लिए उसने मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ही सोहरिया निवासी राशिद पुत्र मुस्ताक अली से संपर्क किया जो ग्राहक सेट कर इनके पास लाता था। इसके बदले में जहां अरविंद यादव को 500 रुपये प्रतिदिन तो राशिद को 250—300 रुपये प्रति व्यक्ति कमीशन देता था। मुखबिर की सूचना पर एसओजी प्रभारी नितिन यादव, थानाध्यक्ष मल्हीपुर जयहरी मिश्रा व एसएसबी के सहायक कमांडेंट केएच नामचंद्र सिंह ने टीम के साथ तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

ग्राम सचिवालय में छापेमारी के दौरान टीम ने आठ फर्जी निवास प्रमाण पत्र, तीन आय प्रमाण पत्र, तीन लैपटॉप, चार मोबाइल, एक प्रिंटर, दो इंक टोनर, एक की बोर्ड, दो फिंगर स्केनर, तीन चार्जर, दो माउस, दो कैमरा, चार यूएसबी हब, एक स्विच टू पोर्ट, एक आइरिस स्कैनर, 62 आधार कार्ड स्लिप, 12 आधार कार्ड, सादे पेपर व 10 रजिस्टर डायरी आदि बरामद किया।

एसपी घनश्याम चौरसिया ने कहा कि आरोपी अहसान के तार पश्चिम बंगाल से नेपाल तक जुड़े थे। अहसान उल्लाह ने यूडीआईडी देने वाला संजीव कुमार पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। इसके साथ ही कुछ अन्य लोग उसके संपर्क में हैं। जिनके खाते में यह पैसा भेजता था। यही नहीं जिन लोगों की शादी नेपाल में हुई थी। वह अपनी पत्नियों का आधार कार्ड बनवाने के लिए इसके संपर्क में थे। इसने आधार कार्ड बनाया कि नहीं इसकी जांच की जा रही है। वहीं, इसका खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा साथ ही आधार की वेबसाइट हैक करने के मामले में डीआईजी भारत सरकार व प्रदेश सरकार के उच्च अधिकारियों से संपर्क कर रहे है। जो आकर इनसे पूछताछ करेंगे।

मांगे पूरी न हुई तो पूरे परिवार को मार देंगे, भाजपा नेता से मांगी 50 लाख की रंगदारी

संवाददाता—बहराइच। भाजपा नेता से जमीन के नाम पर पचास लाख रुपये की रंगदारी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने दो लोगों पर मांग पूरी न होने पर परिवार सहित जान से मारने की साजिश करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। देहात कोतवाली पुलिस ने आरोपियों पर संबंधित मामले में मुकदमा दर्ज किया है।

देहात कोतवाली क्षेत्र के सरस्वती नगर निवासी राजीव सिंह ने शुक्रवार को पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया वर्तमान में वे वार्ड नंबर 17 से बीजेपी सभासद है। उनके पिता ने एक जमीन इंडियन बैंक द्वारा सार्वजनिक नीलामी संपति के माध्यम से रंजना सिंह धरसवां के जरिये बैनामा कर खरीदी है। जिस पर न्यायालय जिलाधिकारी के आदेश पर 13 सितंबर 2024 को बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने जमीन उन्हें भौतिक कब्जा परिवर्तन राजस्व मजिस्ट्रेट सदर व पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में कब्जा हटाते हुए सौंप दी।

उक्त भूमि पर बिना किसी वैध प्रपत्र के दरगाह शरीफ के बक्शीपुरा चांदमारी निवासी सतेंद्र उर्फ देवेंद्र उर्फ भोलू उर्फ गुड्डू सिंह, सौरभ सिंह रह रहे थे। अगले दिन ही दोनों युवक आए और बोले कि जो जमीन और मकान तुम लोगों ने लिया है वो छोड़ दो या नहीं तो पचास लाख रुपये एक मुश्त व दो लाख रुपये प्रत्येक माह दोगे। अगर जमीन या मकान नहीं छोड़ोगे तो परिवार सहित जान से मार देंगे। शुक्रवार को आरोपियों द्वारा उन्हें व उनके परिवार को जान से मारने की साजिश रचे जाने की जानकारी हुई है।

देहात कोतवाल के परमानंद तिवारी ने बताया कि जमीन से संबंधित मामले में आरोपियों द्वारा धमकी देते हुए लाखों रुपये मांगे जाने का मुकदमा दर्ज किया गया है जिसकी जांच विवेचना अधिकारी विपिन सिंह कर रहे है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अलग—अलग सड़क दुर्घटना मे नौ स्कूली बच्चे घायल

संवाददाता—देवरिया। शनिवार की सुबह—सुबह दो अलग—अलग हादसों ने अभिभावकों को चिंता से भर दिया। सूचना मिलते ही मां—बाप घटनास्थलों की ओर दौड़ पड़े। दोनों हादसों में दो स्कूलों के नौ छात्र घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार कराकर घर भेज दिया गया। स्कूली वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच कर जांच किए। रुद्रपुर उपनगर के आइडी एकेडमी के पास स्कूल वैन है। जिससे विद्यालय के छात्रों को ले आने व ले जाने का कार्य किया जाता है। सुबह विद्यालय की वैन 11 छात्रों को लेकर स्कूल आ रही थी। अभी वैन निबही—रुद्रपुर मार्ग पर हड़ही पुल के समीप पहुंची थी कि सामने से आ रही स्कार्पियो से आमने—सामने की टक्कर हो गई। जिसमें एकला मिश्रौलिया के रहने वाले छात्र अंश प्रजापति, अंशिका, अतीश कनौजिया, श्रृष्टि कनौजिया, शिवम व शिवांश घायल हो गए।

चालक सोहन शर्मा निवासी ग्राम अहलादपुर मरकड़ी गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी को उपचार के लिए सीएचसी रुद्रपुर पहुंचाया गया। जहां से छात्रों को उपचार के बाद घर भेज दिया गया, वहीं गंभीर रूप से घायल चालक को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज देवरिया रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही सीओ अंशुमान श्रीवास्तव, कोतवाली प्रभारी रतन पांडेय भी मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद स्कूल और छात्रों के घर पर अफरा—तफरी मची रही।

बघौचघाट थाना क्षेत्र के आनंद नगर के पास छात्रों को लेकर विद्यालय आ रही स्कूली बस में ट्रेलर ने सामने से ठोकर मार दिया। जिससे तीन छात्र घायल हो गए। सभी को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

बघौचघाट थाना क्षेत्र के बेलम्हा में जेएन डब्लू एकेडमी नाम से एक प्राइवेट विद्यालय संचालित है। शनिवार की सुबह छात्रों को लेने के लिए विद्यालय की बस विशुनपुरा मस्जिदिया गांव में गई थी। छह छात्रों को लेकर बस विद्यालय लौट रही थी, अभी आनंदनगर—अमरपुर मार्ग पर आनंद नगर गांव के समीप पहुंची थी, कि सामने से आ रहे ट्रेलर ने ठोकर मार दिया। जिससे बस में सवार तीन छात्रों को हल्की चोटें आ गई। मौके पर पहुंची बघौचघाट पुलिस ने जांच की और छात्रों का हाल जाना।

युवक की मौत पर अस्पताल में हंगामा, शव रख कर किया प्रदर्शन

संवाददाता—देवरिया। देवरिया में एक युवक की मौत के बाद परिजनों ने एक प्राइवेट अस्पताल के सामने शव रख कर शनिवार को जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से समझा—बुझा कर उन्हें शांत कराया। परिजन अस्पताल के चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। जिला मुख्यालय देवरिया के हाइडिल कॉलोनी के रहन वाले इंद्रजीत का बेटा कृष्ण कुमार एक सड़क हादसे में घायल हो गया था। 23 जनवरी को परिजन उसे लेकर न्यू कॉलोनी स्थित एक प्राइवेट अस्पताल पर पहुंचे।

यहां ऑपरेशन के लिए चिकित्सक ने सलाह दी। इस पर परिजनों ने उसे यहां भर्ती करा दिया। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के लिए बेहोशी का इंजेक्शन लगने के बाद युवक कोमा में चला गया। इसके बाद स्थिति गंभीर बता चिकित्सक ने उसे गोरखपुर रेफर कर दिया। वहां से उसे पीजीआई भेज दिया गया। पीजीआई में वेंटीलेटर नहीं मिलने पर परिजन उसे लेकर गोरखपुर एम्स चले आए। यहां इलाज के दौरान शनिवार को युवक की मौत हो गई। इसके बाद परिजन उसे लेकर न्यू कॉलोनी स्थित प्राइवेट अस्पताल पर पहुंचे और चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। अस्पताल के सामने ही उन्होंने शव रख दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा—बुझा कर आक्रोशित परिजनों को शांत कराया।

सिगरेट न देने पर मनबढ़ों ने दुकानदार पर चलाई गोली

संवाददाता—देवरिया देवरिया जिले के सदर कोतवाली के खोराराम रोड पर अमेठी के समीप शुक्रवार की रात डेढ़ बजे सिगरेट न देने पर मनबढ़ों ने दुकानदार पर गोली चला दी। हालांकि दुकानदार बाल—बाल बच गया। मौके पर सीओ सिटी समेत अन्य अधिकारी पहुंच गए और मामले की जांच की। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने दबिश दी, लेकिन सफलता हाथ नहीं लग सकी है। अमेठी गांव के सामने शिवशंकर यादव की किराना की दुकान है। रात को वह अपनी दुकान के पीछे सोए थे। आरोप है कि रात को कुछ युवक पहुंचे और शिवशंकर को जगाकर उनसे सिगरेट की मांग की। उन्होंने सिगरेट न बेचने की बात कही। जिस पर मनबढ़ उनसे उलझ गए और उनके ऊपर गोली चला दी। वह बाल—बाल बच गए और गोली बिजली मीटर में जाकर लग गई। उनके शोर करने पर आसपास के लोग पहुंच गए। हालांकि मनबढ़ वहां से धमकी देते हुए फरार हो गए। गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में खलबली मच गई। सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी, कोतवाल दिलीप सिंह मौके पर पहुंच गए और जांच किए। सीओ सिटी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी को टीमें दबिश दे रही हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पति-पत्नी के विवाद में धारदार हथियार धंसने से पति की मौत

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल कस्बे के आजादनगर मोहल्ले में शनिवार की दोपहर में एक घर में पति—पत्नी के बीच हो रहे विवाद में बीच बचाव करने परिजन पहुंच गए। इस दौरान घर में रखे पहसुल (धारदार हथियार) के गले में धंस जाने से पति की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद फोरेंसिक टीम ने भी जांच—पड़ताल कर घटना से जुड़े बिंदुओं की जानकारी ली। निचलौल कस्बे के आजादनगर मोहल्ला निवासी गजेन्द्र साहनी (30) पुत्र बृजमोहन और उसकी पत्नी मंशा के बीच दोपहर में किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। घर में शोर गुल सुनकर गजेन्द्र की भाभी शकुंतला और भतीजा किशन छुड़ाने लगे। इस बीच गजेन्द्र अपनी भाभी और भतीजा को हटाने लगा। इस दौरान उसका पैर कहीं फंस गया और वह घर में रखे पहसुल (सब्जी काटने वाला धारदार हथियार) पर गिर गया। धारदार हथियार उसके गले में धुस गया। परिजन आनन—फानन में उसे इलाज के लिए निचलौल सीएचसी पहुंचाए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद उसके घर के सामने भीड़ जुट गई। फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर घटना से जुड़े बिंदुओं की जानकारी ली। पुलिस ने पूछताछ के लिए गजेन्द्र के भतीजे किशन को हिरासत में ले लिया है। इस मामले में पुलिस जरूरी कार्रवाई कर रही है। निचलौल नगर पंचायत के आजादनगर मोहल्ला निवासी गजेन्द्र साहनी अपने चार भाइयों में से सबसे छोटा था। उसके तीन भाई बाहर रहकर श्रमिक का कार्य करते हैं। गजेन्द्र भी श्रमिक का कार्य कर परिवार का गुजर बसर करता था। उसकी मौत से मोहल्ले में सन्नाटा पसरा हुआ है।

निचलौल नगर पंचायत के आजादनगर मोहल्ला निवासी गजेन्द्र साहनी के दो बच्चे हैं। एक तीन वर्ष का और एक डेढ़ महीने का है। उसकी मौत से दोनों मासूमों के सिर से पिता का साया उठ गया है। घटना के बाद उसके घर के आसपास के लोग भी कुछ भी बताने में संकोच कर रहे हैं।

गौरव कन्नौजिया, एसओ ने कहा कि निचलौल कस्बे के आजादनगर मोहल्ला में पति—पत्नी के बीच हो रहे विवाद में बीच बचाव के दौरान पति गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक की पत्नी ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धार्मिक सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित हुए महंत राम मिलन शरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्माष्टमी के संत महंत राममिलन शरण को केरल की संस्था ग्राम समाज फाउंडेशन द्वारा धार्मिक सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित किया गया, महंत राम मिलन शरण अयोध्या के दुराही कुआं स्थित सरयू कुंज आश्रम के महंत हैं और निरंतर समाज सेवा के कार्य में लगे रहते हैं, 2012 में महंत राम मिलन शरण ने अयोध्या से केरल तक सब धार्मिक सद्भावना यात्रा निकाली थी और उसे समय ग्राम समाज फाउंडेशन द्वारा केरल में अयोध्या से आए हुए समाजसेवीयो को व्यवस्था प्रदान की गई थी और श्री राम मंदिर फैसले के बाद संस्था के लोगों ने अयोध्या में आकर के पुरस्कार देने की योजना बनाई और मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के 1 वर्ष पूरे होने पर संस्था के अध्यक्ष एम एन गिरी अपने पदाधिकारी के साथ अयोध्या पहुंचे, महंत राम मिलन शरण को पट्टिका ओढ़ाकर स्वागत किया, प्रशस्तिपत्र और मोमेंट देकर स्वागत किया।

श्री महाराज जी ने बताया कि अयोध्या से कन्याकुमारी तक धार्मिक सद्भावना यात्रा का मैं आयोजन था और उसे समय ग्राम समाज फाउंडेशन केरल की अग्रणीय संस्था थी, गांधीवादी मूल्यों को मानती थी प्रचार प्रसार करती थी आज उसने मुझे सम्मानित किया है। श्री महाराज जी ने बताया कि समाज सेवा प्रत्येक व्यक्ति अपने मूल्यों के अनुसार करता है और करना भी चाहिए प्रभु श्री राम ने 14 वर्ष वनवास के समय और राजा बनने के बाद केवल सेवा ही की, सेवा का प्रतिफल मिलता ही रहता है। महंत राम मिलन शरण को सम्मान मिलने पर श्री राम आश्रम के महंत जय रामदास, परमहंस आश्रम के महंत गोविंद दास, श्री रामकृष्ण मंदिर के महंत गणेशानंद दास, जयसवाल मंदिर के महंत श्यामसुंदर दास,विश्वकर्मा पांचाल मंदिर के महंत महेश दास सहित दर्जनों संतो महंतों ने खुशी जाहिर की। ग्राम समाज फाउंडेशन के सामान्य अभिलाष टोपिल ने अयोध्या में पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता की और बताया कि हमें अयोध्या आ करके धार्मिक सद्भावना के मूल्यों को जीवंत रखने के लिए महंत राम मिलन शरण को सम्मानित कर कर खुशी हुई।

फर्जी रिपोर्टिंग करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई —डीएम

संवाददाता—बलरामपुर। आम जनमानस की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तुलसीपुर में आयोजित समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने लोगों की शिकायतें सुनीं। डीएम ने फर्जी रिपोर्टिंग करने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए समस्या का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। तुलसीपुर में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम पवन अग्रवाल ने फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनकी समस्याओं का समाधान करने के निर्देश अधिकारियों को दिया। कहा कि समाधान दिवस में आई शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय पर किया जाए। भूमि विवाद एवं लॉ एंड आर्डर से जुड़े मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण कराए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में गलत रिपोर्टिंग पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डीआरडीए राघवेन्द्र त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार सोनी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम संजीव कुमार यादव ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। जिसमें नगर के मोहल्ला पूरबटोला निवासी दियावन छांगुर प्रसाद ट्राई साइकिल से अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। उन्होंने एसडीएम को बताया कि उन्होंने अपनी भूमि सात साल पूर्व एक व्यक्ति को बटाई पर दी थी। उनकी दिव्यांगता का फायदा उठाते हुए बटाईदार न तो उन्हें अनाज ही दे रहा है और न ही जमीन से कब्जा ही हटा रहा है। एसडीएम ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सदर तहसील अनुपम शुक्ला को मामले का निस्तारण कराने का निर्देश दिया। यहां कुल 46 शिकायतें आईं, जिसमें से मौके पर चार का निस्तारण कराया गया। इस अवसर पर बीडीओ संजय कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। उतरौला में एसडीएम अक्षेश कुमार की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। यहां पर 35 शिकायतें आईं, जिसमें से तीन का निस्तारण मौके पर किया गया। शेष शिकायतों का निस्तारण तीन दिवस के भीतर करने का निर्देश एसडीएम ने अधिकारियों को दिया।

किशोरी की बरामदगी को लेकर फूटा गुस्सा, विद्यालय में तोड़फोड़

संवाददाता—महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के एक गांव में शनिवार को जमकर बवाल हुआ। एक किशोरी की बरामदगी को लेकर परिजनों ने भीड़ के साथ जमकर हंगामा किया। उग्र हुई भीड़ ने किशोरी भगाने के आरोपी के घर पहुंचकर उसके परिजनों को जमकर धुना और विद्यालय में जमकर तोड़फोड़ की। तोड़फोड़ के दौरान कई लैपटॉप, मानीटर को नष्ट कर दिया। सूचना पाकर मौके पर सीओ नौतनवा चार थाने की फोर्स वा एसओजी टीम के साथ पहुंचकर मामले को संभाले। गांव में पुलिस के साथ पीएसी तैनात कर दी गई है।

बताया जा रहा है कि गांव में एक स्कूल है, जो पहले सेवाश्रम के नाम से जाना जाता था। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने धर्म परिवर्तन के आरोप पर बिना मान्यता चल रहे विद्यालय को बंद करा दिया था। किशोरी के परिजनों का आरोप है कि एक सप्ताह पहले संचालक उसे बहला—फुसलाकर कहीं लेकर फरार हो गया। फरार होने के बाद छात्रा के आधार में छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से कोर्ट मैरेज कर लिया।

छात्रा के पिता ने 24 जनवरी को नाबालिग छात्रा को बहला फुसलाकर भगाने व धर्म परिवर्तन का आरोप लगाकर छात्रा की बरामदगी व आरोपी पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी। पुलिस ने जांच—पड़ताल कर छात्रा के आधार और उसके अंक पत्र के आधार पर गांव निवासी सुजीत साहनी व कैफ के खिलाफ 30 जनवरी को मुकदमा दर्ज किया। इसके साथ ही 31 जनवरी को विवेचना के दौरान धारा बढ़ाते हुए छात्रा व आरोपी की तलाश में जुट गई।

इधर, शनिवार को पीड़ित परिजनों के साथ सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण आरोपी के घर पहुंच गए। वहां धर्म परिवर्तन का आरोप लगाते हुए भीड़ ने आरोपी के विद्यालय में जमकर तोड़फोड़ की। कम्प्यूटर कक्ष में घुसकर चार लैपटॉप, 3 मानीटर, 3 सीपीयू, 3 यूपीएस, की बोर्ड, माऊस को तोड़कर नष्ट कर दिया। लोगों का कहना है कि भीड़ ने आरोपी की मां व बहन को मारा—पीटा। इस दौरान गांव में अफरा—तफरी का माहौल रहा। चारों ओर चीख पुकार से आवाज गूंज रही थी।

सीओ नौतनवा जयप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि किशोरी की बरामदगी व धर्म परिवर्तन का आरोप लगाकर भीड़ ने आरोपी के विद्यालय में तोड़फोड़ की है। शांति व्यवस्था के लिए गांव में पुलिस व पीएसी की तैनाती कर दी गई है। जरूरी कार्रवाई हो रही है।

घटना की सूचना पाकर सीओ नौतनवा जयप्रकाश त्रिपाठी, थानाध्यक्ष परसामलिक उमेश कुमार, बरगदवा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, ठूठीबारी थानाध्यक्ष योगेन्द्र कुमार, एसओजी प्रभारी योगेश कुमार सिंह मय फोर्स पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया। गांव में शांति व्यवस्था के लिए पीएसी तैनात कर दिया।

किशोरी के परिजनों का आरोप था कि बहला—फुसलाकर भगाने के बाद उसका धर्म परिवर्तन करा दिया गया है। फर्जी तरीके से साक्ष्य को छिपाकर कोर्ट मैरेज कराया गया है। एक सप्ताह में पुलिस छात्रा को बरामद नहीं कर पाई। परिजनों व ग्रामीणों का यह भी आरोप था कि इस विद्यालय में धर्म परिवर्तन कराया जाता है।

शिक्षक ने अवैध तमंचे से खुद को मारी गोली, मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। परिषदीय स्कूल में तैनात एक सहायक शिक्षक ने अवैध तमंचे से खुद को गोली मार ली। इससे शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नवीन मार्डन थाना श्रावस्ती क्षेत्र के कटरा बाजार निवासी शिक्षक रनदीप सिंह (48) पुत्र राम लखन ने शनिवार को घर पर ही खुद को अवैध तमंचे से गोली मार ली। इससे उनकी मौत हो गई। शिक्षक रनदीप इकौना विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बेलहा राघव में सहायक शिक्षक के रूप में तैनात थे। शनिवार सुबह वह प्रतिदिन की तरह पढ़ाने के लिए विद्यालय गए थे। लेकिन विद्यालय न जाकर रास्ते से ही वापस घर आ गए और कमरे में जाकर अवैध तमंचे से दाहिनी ओर कनपटी से सटाकर खुद को गोली मार ली। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। गोली की आवाज सुन कर जब उनकी पत्नी नीलम और मां कमरे में पहुंची तो वहां फर्श पर खून से लथपथ शिक्षक की लाश पड़ी थी। शव देखते ही पत्नी व मां दोनों रोने चिल्लाने लगी। रोने की आवाज सुनकर आस पास के लोग घर के बाहर एकत्र हो गए। लोगों की ओर से घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती के प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। साथ ही फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य संकलित किया। वहीं पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि शिक्षक मूलरूप से अमारे भरिया गांव के रहने वाले थे। जो कटरा में आकर बस गए और घर बनाकर रह रहे थे। एक बेटा है जो बलरामपुर में एमएलके कालेज में बीए में पढ़ाई कर रहा है।

कटरा में एक शिक्षक ने अपने सिर में गोली मार ली है। जानकारी मिली है कि वह स्कूल में पढ़ाने जाते थे तब भी काफी तनाव में रहते थे। कुछ दिनों से शराब पीने के आदी हो गए थे। पुलिस की ओर से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जाएगी और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दूसरी शादी करने पर दामाद की जमकर धुनाई

संवाददाता—महराजगंज। पनियरा नगर पंचायत के शीतलपुर तिराहे पर शनिवार को दोपहर बाद एक युवक को सड़क पर ही कुछ लोगों ने बुरी तरह से पीट—पीटकर घायल कर दिया। आसपास के कुछ लोगों ने युवक को बचाया और पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि इस युवक ने दूसरी शादी की थी और पीटने वाले ससुराल पक्ष के थे। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। क्षेत्र के ग्राम पंचायत जंगल बाकी टुकड़ा नंबर 14 निवासी शख्स की शादी करमहिया में करीब 12—13 साल पहले हुई थी। उसके एक बेटा व बेटी भी हैं। इधर चार साल से पत्नी से उसका किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इससे वह उसे उसके मायके में ही छोड़ दिया। दोनों बच्चे भी पत्नी के पास रहते हैं। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी ने तीन साल पूर्व न्यायालय में मुकदमा भी दायर किया है। ससुरालियों के अनुसार इधर इस शख्स ने तीन माह पूर्व दूसरी शादी कर ली। इसी बीच शनिवार को जब वह शीतलपुर अपने रिश्तेदार के यहां जा रहा था तो ससुराल वालो ने पकड़ कर बीच सड़क पर बुरी तरह से धुनाई करना शुरू कर दिया। इससे मौके पर अफरा—तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने किसी तरह से उसे बचाया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे इलाज के लिए पीएचसी ले गई है। बाहर रहकर कमाने वाला यह शख्स पत्नी की ओर से कोर्ट में वाद दाखिल करने के बाद से घर पर ही रहता है। प्रभारी निरीक्षक पनियरा निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है। इस मामले में तहरीर मिलते है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आठ दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन

संवाददाता—गोण्डा। भिम्भापुरवा प्रीमियर लीग के तत्वावधान में आठ दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन त्रिलोकी सिंह ने फीता काटकर किया।

पहले दिन प्रथम पाली में सिंह स्पोर्ट नगवा कला व युवा स्पोर्ट पठानपुरवा के मध्य मैच हुआ, जिसमें युवा स्पोर्ट पठानपुरवा की टीम विजयी हुई। द्वितीय पाली में महाकाल स्पोर्ट छताईपुरवा की टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 134 रन का लक्ष्य दिया जिसके मुकाबले में उत्तरी अंसारी स्पोर्ट जोलाहन पुरवा की टीम महज 74 पर ही ढेर हो गई। इस प्रकार महाकाल स्पोर्ट छताईपुरवा की टीम विजयी घोषित हुई। विजयी टीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आयोजकों ने उपहार देकर सम्मानित किया।

आयोजक अजय पुरवार ने बताया कि यह टूर्नामेंट 8 फरवरी तक चलेगा जिसमें 16 टीमें प्रतिभाग करेंगी। इस मौके पर कमेटी अध्यक्ष सईद अंसारी, परवेज, आलम, शीबू, शशांक आदि लोग रहे।

कमरे में पंखे से झूलता मिला महिला का शव

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के कुंवारीसती गांव में शनिवार को एक घर में कमरे के अंदर फंखे से लटका एक महिला का शव मिला। जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इसी बीच घटना की जानकारी किसी ने पुलिस को दे दी। उसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने परिजनों और आस पास के लोगों से पूछताछ कर नायब तहसीदार अभिषेक मिश्रा की मौजूदगी में शव को फंदे से नीचे उतारा।

एक साथ 7 शव पहुंचे तो मच गया हाहाकार, चक्का जाम

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार को एक साथ सात शव बांसगांव के हरदीचक पहुंचे तो वहां हाहाकार मच गया। लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्राम प्रधान की अगुवाई में सैकड़ों महिलाएं और गांव के पुरुषों ने 7 शवों को लेकर खजनी मालन रोड पर चक्का जाम कर दिया है। वे डीएम के आने तक शवों का अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़े हुए हैं। प्रयागराज महाकुम्भ से लौट रहे गोरखपुर के श्रद्धालुओं की पिकअप शुक्रवार दोपहर बाद गाजीपुर के नंदगंज थाना क्षेत्र के रेवसा गांव के सामने हादसे का शिकार हो गई थी। पिकअप का बायां हिस्सा ट्रक से टकराकर टूट गया था। इससे पिकअप में बैठे यात्री सड़क पर गिरने लगे। तभी पीछे से तेज रफ्तार डंपर लोगों को कुचलते हुए निकल गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी जबकि 11 लोग घायल हो गए थे। मरने वालों में 7 गोरखपुर के बांसगांव क्षेत्र के हरदीचक और एक गोरखपुर के ही खोराबार क्षेत्र के सूबा बाजार के रहने वाले थे। घायलों को गामेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। शनिवार को एक साथ सात शव बांसगांव के हरदीचक पहुंचे तो वहां हाहाकार मच गया। लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। ग्राम प्रधान पूनम सिंह की अगुवाई में सैकड़ों महिलाएं और गांव के पुरुषों ने सातों शवों को लेकर खजनी मालन रोड पर चक्का जाम कर दिया है। वे डीएम के आने तक शवों का अंतिम संस्ध्कार नहीं करने पर अड़े हुए हैं। पुलिस रास्ध्ते से गाड़ियों का डायवर्जन करा रही है। इस बीच हादसे में घायल एक अन्य महिला सुभावती (उम्र 40 वर्ष) जिन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज लाया जा रहा था की रास्ते में मौत हो गई है।` बांसगांव थाना क्षेत्र के हरदीचक गांव के लोग पिकअप से महाकुम्भ स्नान के लिए प्रयागराज गए थे। लौटते समय शुक्रवार अपराह्न तीन बजे वे गाजीपुर के रेवसा गांव के पास पहुंचे थे कि चालक को झपकी आ गई। पिकअप अनियंत्रित हो गई और उसका बायां हिस्सा ट्रक से टकराकर टूट गया। पिकअप पर बने मचान पर बैठे यात्री सड़क पर गिरने लगे। इसी बीच पीछे से आ रहा डंपर सड़क पर गिर रहे यात्रियों को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। हादसे में हरदीचक निवासी अमर सिंह (45), नित्या (5), सुधा चौरसिया (55), सुरेंद्र गुप्ता (54), लीलावती (40), श्यामसुंदर (45), पुष्पा देवी (40) और सुबा बाजार निवासी इसरावती देवी (45) की मौत हो गई। 11 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में मारे गए लोगों के शव पोस्ध्टमार्टम के बाद उनके परिवारीजनों को सौंप दिए गए। भोर में तीन बजे के करीब सभी मृतकों के शव गांव में पहुंचते ही हाहाकार मंच गया। इस दौरान जो भी पहुंचा वो खुद के आंसुओं को रोक नहीं पाया। इसी बीच ग्रामीण मौके पर डीएम को बुलाने की मांग करने लगे। उन्होंने कहा कि जबध् तक डीएम मौके पर नहीं पहुंचेंगे तब तक शवों का अंतिम संस्ध्कार नहीं किया जाएगा।

ग्रामीण महाकुंभ हादसे में मारे गए लोगों के लिए घोषित मुआवजे की तरह ही इन लोगों के परिवारीजनों को भी मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। सीएम योगी ने इस हादसे पर दुख जताया है। अपने शोक संदेश में उन्ध्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश देते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

अवैध निर्माण कर चल रहा था होटल व हुक्का बार, बिल्डिंग सीज

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर क्षेत्र में एक बिल्डिंग में अवैध निर्माण कर फ्लाई इन होटल व रेस्टोरेंटध्हुक्का बार जीनस बॉटल चल रहा था, जिसे शनिवार को गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की टीम ने सील कर दिया। शाहपुर में गीता वाटिका के पास अनुराग सिंह के फ्लाई इन होटल के ऊपरी तल पर हुक्का बार का संचालन हो रहा था। अनिरुद्ध ओझा की ओर से इसका संचालन किया जा रहा था। 10 जनवरी को छापा मारकर पुलिस ने इसे पकड़ा था।

अयोध्या में लापता दलित युवती का नग्न अवस्था में मिला शव, रेप के बाद हत्या की आशंका

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां लापता युवती की लाश मिली है।वहीं पास में खून से लथपथ कपड़े भी मिले। रेप के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। शुक्रवार शाम से लापता एक युवती का नग्न अवस्था में शव मिलने से हड़कंप मच गया। लाश के पास ही युवती के खून से लथपथ कपड़े भी मिले। रेप के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। साथ ही एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। ये घटना कोतवाली क्षेत्र के सहनवा गांव का है। जहां हैवानों ने दलित युवती के साथ दरिंदगी की। टीवी 9 के मुताबिक 30 जनवरी की रात 22 साल की युवती भागवत देखने गई थी। जहां रात करीब 11 बजे तक वह घर नहीं आई। परिजनों ने जब खोज की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह नाले के पास युवती का अर्धनग्न हाल में शव बरामद हुआ। वहीं, पास में खून से लथपथ कपड़े मिले। युवती की बेरहमी से हत्या की गई थी। उसका हाथ–पैर टूटा हुआ था। साथ ही आंखे भी फोड़ दी गई थीं। चेहरे पर कई जगह जख्म के निशान थे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई। मृतका के परिजनों ने बताया शुक्रवार शाम से बेटी लापता थी। इस मामले में क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि मृतका के परिजनों ने किसी पर भी संदेह नहीं जताया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। फॉरेसिंक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किया है।

वसंत पंचमी पर अयोध्या में 20 लाख लोगों के आने की संभावना, चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

संवाददाता–अयोध्या। प्रयागराज महाकुंभ के श्रद्धालुओं का पलट प्रवाह रामनगरी में निरंतर जारी है। शुक्रवार को भी आठ लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे और सरयू स्नान कर मठ–मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। वसंत पंचमी का स्नान रविवार को है। इस दिन अयोध्या में 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है। सुरक्षा कड़ी करते हुए अयोध्याधाम में यातायात डायवर्जन लागू है। अयोध्या में पूरा देश उमड़ रहा है। प्रयागराज से अयोध्या आ रहे श्रद्धालुओं में तकरीबन देश के हर राज्य के श्रद्धालु शामिल होते हैं। कुछ विदेशी व एनआरआई श्रद्धालु भी आ रहे हैं। भीड़ नियंत्रण के लिए की गई व्यवस्था के चलते सरयू घाट, राम मंदिर व हनुमानगढ़ी में स्नान, दर्शन–पूजन करने के लिए पांच से आठ किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है। रामलला के दरबार में श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं को निरूशुल्क भोग प्रसाद भी वितरित किया जा रहा है। प्रसाद पाकर भक्त तृप्त नजर आते हैं।

रामनगरी में जब से चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है और वाहनों को जिले की सीमा से ही डायवर्ट किया जा रहा है तब से रेलवे मार्ग से श्रद्धालुओं की भीड़ अधिक आ रही है। इसको देखते हुए अयोध्याधाम रेलवे स्टेशन की ओर केवल श्रद्धालुओं को ही आने–जाने की अनुमति दी जा रही है। स्टेशन की ओर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। कमिश्नर गौरव दयाल, डीएम चंद्रविजय सिंह, आईजी प्रवीण कुमार, एसएसपी राजकरण नय्यर, एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने शनिवार को मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

हनुमानगढ़ी में रोजाना तीन से पांच लाख श्रद्धालु दर्शन–पूजन कर रहे हैं। सुगम दर्शन के लिए दर्शन मार्ग पर रेलिंग लगाई गई है, साथ ही बैरीकेडिंग भी की गई है। हनुमानगढ़ी में जगमोहन की ओर जाने वाले रास्ते को श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के कारण बंद कर दिया गया है। मुख्य प्रवेश द्वार से श्रद्धालु मंदिर में घुस रहे हैं, दर्शन के बाद पीछे के मार्ग से निकासी हो रही है। जगमोहन में किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा है, इससे भीड़ नियंत्रण में आसानी हो रही है।

ट्रक चालक को बंधक बनाकर गेहूं की चोरी करने के आरोपियों का जमानत निरस्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में ट्रक चालक को बंधक बना कर गेहूं की चोरी करने के आरोपियों का जमानत प्रार्थना पत्र जनपद एवं सत्र न्यायाधीश महेन्द्र प्रसाद चौधरी की कोर्ट ने निरस्त कर दिया। आरोपी अक्षय अग्रहरि, इन्द्रजीत, श्रेष्ठ यादव व बृजेश सिंह पर ट्रक चालक को बंधक बनाकर ट्रक पर लदा 490 बोरी गेहूं चोरी करने का आरोप लगाया गया है। प्रकरण में अज्ञात में अभियोग पंजीकृत हुआ था। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया कि प्रकरण में अशोक गुप्ता पुत्र राम दुलारे गुप्ता ग्राम लोहरसन थाना बेलहर कला ने अभियोग पंजीकृत कराया है। वादी ने थाना बखिरा पर दिनांक 9 जनवरी 2025 को प्रार्थना पत्र दिया । उनका कथन है कि वह गल्ला व्यवसायी है। मैं 12 चक्का ट्रक का स्वामी हूं। हमीदुल्लाह पुत्र किताबुल्लाह मोहल्ला मैलानी थाना कोतवाली खलीलाबाद ट्रक का चालक है। लोहरसन दुकान से दिनांक 6 जनवरी 2025 को शाम साढ़े सात बजे ट्रक पर 490 बोरी गेंहू लोड कर खलीलाबाद मण्डी के लिए भेजा था । बखिरा थाना क्षेत्र के हारापट्टी ईदगाह के पास पंहुचा था कि अज्ञात कार सवारों ने ट्रक को रोक कर दूसरे चालक से ट्रक को अज्ञात स्थान पर ले जा गेंहू को खाली करके चोरी कर लिया । खाली ट्रक को पुनः चालक को वापस कर दिया और कहा कि ट्रक ले जा करके अपने मालिक के दुकान पर खड़ा कर देना ।

विवेचना के दौरान मामले में संलिप्त आरोपियों का नाम प्रकाश में आया। आरोपियों में अक्षय अग्रहरि पुत्र रामचन्द्र अग्रहरि ग्राम जगन्नाथपुर, नीरज गुप्ता पुत्र राम भागवत गुप्ता ग्राम महसों, इन्द्रजीत पुत्र बलिराम ग्राम जनजनपुर थाना लालगंज, श्रेष्ठ यादव पुत्र संजीव यादव तथा बृजेश सिंह पुत्र चरित्र प्रसाद मोहल्ला जामडीह थाना कोतवाली बस्ती जनपद बस्ती शामिल हैं । आरोपी अक्षय अग्रहरि, इन्द्रजीत, श्रेष्ठ यादव एवं बृजेश सिंह के जमानत प्रार्थना पत्र का जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने विरोध किया । जनपद एवं सत्र न्यायाधीश महेन्द्र प्रसाद चौधरी की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपियों का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कायमीवाद सं0– T2025171401570
धारा 34 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार सदर बस्ती जिला–बस्ती

मुबारक हुसैन
बनाम
हवीवुल्लाह

1. मुबारक हुसैन 2. सद्दाम हुसैन 3. कुशैद आलम पुत्रगण साहवजादा 4. अकवर अली पुत्र मो0 सईद मौजा चमरौहा सियरापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–02–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 28 माह 01 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी नई तहसील भवन के सामने शनिवार को ट्रक की टक्कर से बाइक सवार बैंक कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वाथ ही ट्रक को कब्जे में ले लिया है। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के खुटेहना गांव निवासी अवनीश कुमार सिंह(32) पुत्र विजय बहादुर सिंह बांसी कस्बे में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक में काम करता था। वह शहर के पटेल नंबर में किराए का कमरा लेकर रहता था। शनिवार दोपहर बाद दो बजे के करीब बाइक से किसी काम से जा रहा था। अभी वह नई तहसील भवन के सामने पहुंचा ही था कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दिया। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वहां बड़ी संख्या में लोग जुट गए। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और ट्रक को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक बांसी कोतवाली रामकृपाल शुक्ल ने कहा कि शव को कब्जके में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अदालती नोटिस

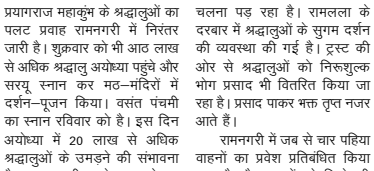

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–C 202317000000030
अदालत– श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राजराम
बनाम
काली प्रसाद आदि

1. काली प्रसाद पुत्र रामलाल 2. रामजगन 3. राममिलन 4. मोहन पुत्रगण सुन्नर साकिनान मौजा लोहरौली तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 5. भू0प्र0स0 लोहरौली तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर द्वारा अध्यक्ष/प्रधान

तारीख पेशी 03–03–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 03 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 1033/2015
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राम सुभग
बनाम
राम सिंह आदि

1. रामसिंह उम्र 36 साल 2. राज सिंह उम्र लगभग 33 साल पुत्रगण जगदीन 3. जगदीन उम्र 65 साल पुत्र भरतू साकिनान मौजा अमोढ़ा खास तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

इलाज में पैसे की चिंता न करें, सरकार करेगी मदद –योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे से लोगों को आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद शनिवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 100 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक–एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए।

उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े।

हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी।

इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन का इलाज एम्स नई दिल्ली में कराने के लिए आर्थिक सहायता का निवेदन किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसे आत्मीय संबल देते हुए कहा कि इस्टीमेट मंगवा लीजिए। परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, इलाज का पैसा सरकार देगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने खूब दुलारा और चॉकलेट गिफ्ट कर आशीर्वाद दिया।

नोटिस

विद्वान् एकमात्र मध्यस्थ श्री नकुल जैन के समक्ष निम्न पक्षकारों के बीच के मध्यस्थता के मामले में:
रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड –दावेदार
और
मेसर्स विनीत ऑटोमोबाइल्स
प्रतिवादी

मेसर्स विनीत ऑटोमोबाइल्स, द्वारा एकमात्र स्वामी, श्री विनीत कुमार तिवारी, मकान नं. 16, ग्राम ओझा गंज, ब्लॉक–कप्तानगंज थेशिल हरैया, बस्ती, उत्तर प्रदेश–272131.

कृपया ध्यान दें कि रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड ने दिनांक 3 मार्च 2022 के ऑपरेटरशिप समझौते से उत्पन्न पक्षों के बीच विवादों और मतभेदों के संबंध में विद्वान एकमात्र मध्यस्थ श्री नकुल जैन के समक्ष आपके खिलाफ मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की है।

सेवा के विभिन्न प्रयासों के बावजूद, आप विद्वान एकमात्र मध्यस्थ के समक्ष उपस्थित होने में विफल रहे हैं। हालाँकि, अंतिम अवसर के रूप में, विद्वान एकमात्र मध्यस्थ द्वारा दावेदार को उपर्युक्त कार्यवाही के बारे में आपको सूचित करने के लिए यह सार्वजनिक नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया है।

वर्तमान नोटिस के माध्यम से, हम आपको सूचित कर रहे हैं, 11 फरवरी 2025 शाम 5:30 बजे 110–ए, प्रथम तल, वर्धमान चेम्बर्स, कावसजी पटेल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई 400001' पर स्थित विद्वान एकमात्र मध्यस्थ के कक्ष में सुनवाई के लिए पोस्ट की गई है।

आप स्वयं या किसी नियुक्त अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रह सकते हैं और मामले में अपना पक्ष रख सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि यदि आप उपस्थित होने में विफल रहते हैं, तो वर्तमान मामले पर एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

वेरिटास लीगल,
दावेदार के वकील

NOTICE

BEFORE THE LEARNED SOLE ARBITRATOR MR NAKUL JAIN IN THE MATTER OF ARBITRATION BETWEEN:
RELIANCE BP MOBILITY LIMITED -CLAIMANT
AND
M/S VINEET AUTOMOBILES RESPONDENT

To.
M/s Vineet Automobiles, Through sole proprietor, Mr. Vineet Kumar Tiwari, House No. 16, Village Ojhaganj, Block - Kaptaganj Theshil Harraiya, Basti, Uttar Pradesh - 272131.

Take notice that Reliance BP Mobility Limited has instituted Arbitration Proceedings against you before the Learned Sole Arbitrator Mr. Nakul Jain with respect to disputes and differences berween the parties arising out of the Operatorship Agreement dated 3rd March 2022

Despite various attempts at service, you have failed to appear before the Ld. Sole Arbitrator However, as a matter of last opportunity, the Claimant has been directed by the Ld. Sole Arbitrator to issue this public notice to inform you of the abovementioned proceedings.

By way of the present Notice, we are hereby informing you that the arbitrations proceedings are posted for hearing on **11th February 2025 at 5:30 pm** at the chambers of the Learned Sole Arbitrator located at '110-A, 1"Floor, Vardhaman Chambers, Cawasji Patel Street, Fort, Mumbar 400 001.

You may remain present and appear in the matter either yourself or through an appointed advocate. Please note that in the event you fail to appear, the present matter shall be proceeded ex-parte.

Veritas Legal,
Advocates for the Claimant

कुंभ में स्नान करने गई लापता महिला पहुंची घर, परिजन खुश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। प्रयागराज कुंभ में स्नान करने गई पथरा बाजार थाना क्षेत्र के पाला गांव की लापता महिला सावित्री (60) शुक्रवार की रात अपने घर पहुंच गई। सावित्री को घर पहुंचने पर परिजन काफी खुश हुए। पथरा बाजार थाना क्षेत्र के पाला गांव निवासी सावित्री (60) 28 जनवरी को अपने पति श्रीराम चौरसिया के साथ कुंभ में स्नान करने गई थी। 29 जनवरी को कुंभ मेले में गायब हो गई थी। परिजन काफी तलाश किए पर उनका कहीं पता नहीं चला। सावित्री के गायब होने की सूचना परिजनों ने मेला पुलिस को दी पर उनका कहीं पता नहीं चला। पति मायूस होकर दो दिन बाद गांव वालों के साथ घर वापस आ गए। परिजन अनहोनी के डर से परेशान थे। इसके बाद परिजन और गांव के 10 लोग पुनः सावित्री को खोजने के लिए 31 जनवरी यानी शुक्रवार की शाम कुंभ मेला प्रयागराज गए। इधर शुक्रवार देर रात सावित्री वापस घर लौट आई। सावित्री के घर लौटने से परिजन काफी खुश हैं। सावित्री ने बताया कि जब वह 29 जनवरी को सुबह स्नान करने जा रही थी तभी अचानक भीड़ बढ़ गई और परिजनों से बिछड़ गई। स्वयं के पास मोबाइल फोन नहीं था परिजनों के बिछड़ने से एक दम बदहवास हो गई थी। सिवाय रोने के कुछ नहीं सूझ रहा था। पूरे दिन इधर उधर भटकती रही बगैर कुछ खाए पीए। तभी अयोध्या धाम के श्रद्धालु मुझसे मिले उन लोगों के साथ अयोध्या आ गई।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 267/2024
नीलम –सायलान

1. नीलम उम्र 35 साल 2. प्रेमा देवी उम्र 30 साल पुत्रीगण स्व0 रामकुमार निवासी ग्राम बावरपारा पोस्ट पैकोलिया तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–02–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 18–02–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 399/2024
बिमलावती देवी –सायल

1. बिमलावती देवी पत्नी राम सजीवन साकिन देईसाड़ तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम पुत्री स्व0 राम उजागिर साकिन गाऊखोर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–04–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 22–04–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com